एम०ए० ज्योतिष	प्रश्नपत्र नाम- ज्योतिष शास्त्र का इतिहास	परीक्षा वर्ष 2022
प्रथम सत्र	पेपर कोड- **MJY-C101**	

समयः 03 घण्टा पूर्णाङ्कः 70

नोटः प्रश्नपत्र ए एवं बी दो खण्डों में विभक्त है। प्रत्येक खण्ड निर्देशानुसार हल करना अनिवार्य है।

खण्ड - ए

(लघु उत्तरीय प्रश्न)

नोटः किन्हीं पाँच प्रश्नों का उत्तर दें। प्रत्येक प्रश्न छः अंक का है।

प्रश्न 1 होरा स्कन्ध का संक्षिप्त में परिचय दीजिए।

प्रश्न 2 सौर मासों को सक्षिप्त में प्रतिपादित कीजिए।

प्रश्न 3 वसन्त ऋतु पर टिप्पणी लिखिए।

प्रश्न 4 भास्कराचार्य का संक्षिप्त परिचय लिखिए।

प्रश्न 5 सूर्य के अयन का वर्णन कीजिए।

प्रश्न 6 राशियों के नाम एवं उनके स्वामियों का वर्णन कीजिए।

प्रश्न 7 पञ्चाङ्ग के किसी एक अंश का वर्णन कीजिए।

प्रश्न 8 नक्षत्रों के नाम लिखिए।

प्रश्न 9 सावनदिन किसे कहते हैं? स्पष्ट कीजिए।

प्रश्न 10 संहिता स्कन्ध का संक्षिप्त में परिचय दीजिए।

खण्ड - बी

(दीर्घ उत्तरीय प्रश्न)

नोटः किन्हीं चार प्रश्नों का उत्तर दें। प्रत्येक प्रश्न दस अंक का है।

प्रश्न 1 महर्षि दयानन्द की दृष्टि से ज्योतिषशास्त्र की विवेचना कीजिए।

प्रश्न 2 ज्योतिषशास्त्र के विकासक्रम को विस्तार से लिखिए।

प्रश्न 3 नक्षत्र एवं राशिओं के सम्बन्ध को विस्तार से प्रतिपादित कीजिए।

प्रश्न 4 अथर्ववेद में वर्णित ज्योतिष के तत्त्वों का वर्णन कीजिए।

प्रश्न 5 ज्योतिषशास्त्र के सामाजिक महत्त्व की विवेचना कीजिए।

प्रश्न 6 फलितज्योतिष की उपादेयता की समीक्षा कीजिए।

प्रश्न 7 वर्तमान में ज्योतिष की उपयोगिता की विवेचना कीजिए।

प्रश्न 8 सिद्धान्त स्कन्ध का विस्तार से वर्णन कीजिए।